



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 28, 2004/माघ 8, 1925

No. 23]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 28, 2004/MAGHA 8, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग भंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 2004

सं. 42 (आर ई-2003)/2002—2007

फा. सं. 01/94/180/सार्वजनिक सूचना/ए एम 04/पी सी-4.—निर्यात आयात नीति 2002—2007 के पैराग्राफ 2.4 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विदेश व्यापार महानिदेशक एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड 1) में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :

- “ई पी सी जी आवेदनों पर विचार करने से संबंधित” पैरा 5.3, 5.3.1 और 5.3.2 को निम्न रूप से संशोधित किया गया है ।
- आवेदक ई पी सी जी लाइसेंस के लिए क्षेत्रीय लाइसेंसिंग कार्यालय से ऐसे मामलों में आवेदन कर सकता है जिनमें 50 करोड़ तक शुल्क बचाया गया हो । इसके लिए एक स्वतंत्र सनदी अभियंता द्वारा दिया गया प्रमाण पत्र जोकि परिशिष्ट 9 के अनुलग्नक प्रपत्र जो कि पूँजीगत माल के अनंतिम प्रयोग के लिए आयात के बारे में है तथा निर्यात दायित्व के लिए उत्पाद के उत्पादन से पहले, उत्पादन के तथा उत्पादनोत्तर चरण पर इसक प्रयोग के बारे में सत्यापन करता हो उसको आवेदन के साथ भेजना आवश्यक होगा ।

ऐसे मामले जिनमें शुल्क 50 करोड़ से अधिक बचाया गया हो उनमें आवेदक विदेश व्यापार महानिदेशालय सीधे ही आवेदन कर सकता है तथा उसकी एक प्रति क्षेत्रीय लाइसेंसिंग कार्यालय को भेज सकता है । ऐसे मामलों में मुख्यालय की ई पी सी जी समिति की सिफारिशों/सक्षम प्राधिकारी के अनुसोदन के आधार पर संबंधित क्षेत्रीय लाइसेंसिंग कार्यालयों से तदनुसार ई पी सी जी लाइसेंस जारी किया जाएगा ।

- आवेदक द्वारा द्विए गए स्वतंत्र सनदी अभियंता (सी ई सी) द्वारा दिए गए प्रमाण पत्र के आधार पर लाइसेंसिंग कार्यालय लाइसेंस की एक प्रति सी ई सी की प्रति सहित संबंधित क्षेत्राधिकारी केन्द्रीय सीमाशुल्क प्राधिकरण को भेजेगा ।

5.3.2 लाइसेंसधारक (चाहे वह केन्द्रीय सीमाशुल्क प्राधिकरण के अंतर्गत पंजीकृत हो या न हो) संबंधित केन्द्रीय सीमा शुल्क क्षेत्राधिकारी प्राधिकारी से एक प्रमाण पत्र संबंधित लाइसेंसिंग कार्यालय को भेजेगा जिसमें इस बात की पुष्टि होगी कि आयात पूरा होने की तिथि के 6 महीने के भीतर लाइसेंसधारक या उसके संबंधित निर्माता/विक्रेता की फैक्टरी में पूंजीगत माल को लगाया जाएगा ।

2. “रिफैक्ट्रीज, कैटालिस्ट्स और उपभोज्यों सहित पुर्जों का आयात” नामक एक नया पैरा 5.3.4 निम्नलिखित रूप से जोड़ा गया है ।

5.3.4 आवेदक ई पी सी जी योजना के अंतर्गत भी आवेदक रिफैक्ट्रीज, कैटालिस्ट और उपभोज्यों सहित पुर्जों के आयात के लिए आवेदन कर सकता है । आवेदन में, आवेदक की फैक्टरी में लगे संयंत्र/मशीनरी जिसके लिए पुर्जों की आवश्यकता है, की सूची होगी तथा यह सूची क्षेत्राधिकारी केन्द्रीय सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए चाहे वह फर्म केन्द्रीय सीमाशुल्क के अंतर्गत पंजीकृत हैं या नहीं ।

ऐसे मामलों में ई पी सी जी लाइसेंस पुर्जों की सूची को विनिर्दिष्ट नहीं करेगा परन्तु निम्नलिखित मदों को दर्शाएगा :-

- (क) संयंत्र/मशीनरी का नाम जिसके लिए पुर्जों की आवश्यकता है ।
- (ख) लाइसेंस के अन्तर्गत अनुमत बचाए गए शुल्क का मूल्य ।
- (ग) नीति के अनुसार निर्यात दायित्व के मूल्य सहित निर्यात किए जाने वाले उत्पाद का ब्यौरा ।
- (ii) लाइसेंसिंग कार्यालय, पुर्जों के लिए ई पी सी जी लाइसेंस जारी करने के बाद लाइसेंस की एक प्रति संबंधित क्षेत्राधिकारी केन्द्रीय सीमाशुल्क प्राधिकारी को भेजेगा ।
- (iii) पूंजीगत माल के लिए पुर्जों के आयात के मामले में लाइसेंसधारक (चाहे वह केन्द्रीय सीमा शुल्क के अंतर्गत पंजीकृत है या नहीं) क्षेत्राधिकारी सीमाशुल्क के अंतर्गत पंजीकृत है या नहीं) क्षेत्राधिकारी सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा जारी प्रमाण पत्र लाइसेंसिंग कार्यालय को देगा जिसमें इस बात की पुष्टि की जाएगी । लाइसेंसधारक के रिकार्ड में पुर्जों की विवरणिका ठीक है तथा यह प्रत्येक आयात को पूरा करेन की तिथि के एक महीने के भीतर है । इसके बाद निश्क्रीत करने के समय लाइसेंसधारक स्वतंत्र सनदी अभियंता से एक प्रमाणपत्र जमा करेगा जिसमें लाइसेंसधारक द्वारा बनाए गए स्टॉक और उपभोग रजिस्टर के आधार पर इस प्रकार से आयातित स्थापित पूंजीगत माल में पुर्जों के प्रयोग की पुष्टि की गई हो ।

3. पैराग्राफ 5.7.3 के अन्त में निम्नलिखित वाक्य जोड़ा जाता है :-

“निर्यात-आयात नीति के पैरा 9.47(4) के अनुसार सेवा प्रदायक द्वारा प्रदान की गई पत्तन सेवाओं से संबंधित निर्यात बुनियादी ढांचे के लिए रूपयों में प्राप्त भुगतान को भी इस योजना के अधीन निर्यात दायित्व पूरा करना माना जाएगा ।”

4. पैरा 5.7.6 के बाद एक नया पैरा 5.7.7 जोड़ा जाएगा

5.77 ई पी सी जी लाइसेंसों में मूल रूप से विनिर्दिष्ट उन उत्पाद/सेवाओं के निर्यात द्वारा निर्यात दायित्व पूरा किया जाएगा जो लाइसेंस के अधीन आयातित पूँजीगत माल के उपयोग से विनिर्मित/तैयार किए जा सकते हैं । यदि लाइसेंस से उपर्युक्त उत्पाद/सेवाओं द्वारा निर्यात दायित्व पूरा नहीं किया जा सकता है तो वह निर्यात दायित्व को वैध अवधि (विस्तारित अवधि सहित) के दौरान किसी समय संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को आवेदन करेगा, जिसमें लाइसेंस में प्रारम्भ में विनिर्दिष्ट उत्पाद/सेवाओं द्वारा अपने निर्यात दायित्व पूरा करने में असमर्थ रहने के कारण बताएगा और उसके साथ उसी फर्म/कम्पनी या कम्पनी समूह द्वारा वैकल्पिक उत्पाद विनिर्माण/प्रदत्त सेवाओं का ब्यौरा उसी फर्म/कम्पनी या कम्पनी समूह द्वारा दी जा रही सेवा/ऐसे उत्पाद के विनिर्माण के दस्तावेजी प्रमाण के साथ निर्यात करने का आशय बताएगा । वह निर्यात किए जाने वाले वैकल्पिक उत्पाद/सेवाओं के लिए पिछले तीन वर्षों के औसत निर्यातों का विवरण जो कि सनदी लेखापाल द्वारा प्रमाणित हो को भी प्रस्तुत करेगा । उसके बाद लाइसेंसिंग प्राधिकारी उस वर्ष को ध्यान में रखते हुए जिसमें पुनः नियत किया गया है ।

उपर्युक्त के होते हुए भी, शेष अवधि के लिए वास्तविक औसत निर्यात दायित्व की आवश्यकता नहीं होगी बशर्ते कि लाइसेंसधारक शेष निर्यात दायित्व अवधि में वास्तविक उत्पादों/सेवाओं का निर्यात नहीं करना चाहता ।

लाइसेंसधारक रकीम के तहत शेष निर्यात दायित्व के अनुपात में लागत बीमा भाड़ा मूल्य हेतु बचायी गयी शुल्क राशि के 8 गुना पर आधारित शेष निर्यात दायित्व के पुनः निर्धारण का विकल्प भी चुन सकता है ।

उपर्युक्त सुविधा वैकल्पिक मदों और/या पुनः निर्धारित निर्यात दायित्व के पृष्ठांकन के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों की तारीख को या बाद में किए गए निर्यात के लिए उपलब्ध होगी । यह पृष्ठांकन बाद में लाइसेंस के जारी करने की तारीख के बावजूद भी लाइसेंस पर किए गए पृष्ठांकन के अधीन होगी बशर्ते कि बढ़ाई गई निर्यात दायित्व अवधि सहित निर्यात दायित्व अवधि वैध हो ।

5. “निर्यात दायित्व की निगरानी” से संबंधित पैराग्राफ 5.9 समाप्त माना जाए क्योंकि वही संशोधित पैरा 5.3.2 में स्थानांतरित हो गया है ।

6. निर्यात दायित्व अवधि के विस्तार से संबंधित पैरा 5.11 के बाद निम्नानुसार नया पैरा 5.11.1 जोड़ा जाएगा :-

5.11.1 बी आई एफ आर के साथ मूल/विस्तारित ई.ओ. अवधि के भीतर पंजीकृत फर्म/कम्पनी या कम्पनी समूह अथवा रुग्ण ईकाई के रूप में लघु उद्योग ईकाई के लिए राज्य पुनर्वास रकीम या वह फर्म/कम्पनी जिसकी कोई ईकाई हो और वह बी आई एफ आर के अधीन हो, तो वह विदेश व्यापार महानिदेशालय को निर्यात दायित्व की पूर्ति के लिए निर्यात दायित्व अवधि में विस्तार हेतु आवेदन कर सकता है ।

वह फर्म/कम्पनी, जो कि बी आई एफ आर/राज्य सरकार के पुर्नवास विभाग के साथ पंजीकरण के लिए आवेदन करती है वह ई पी सी जी लाइसेंस के लिए माँगी गई रियायत के संबंध में यदि कोई हो संबंधित एजेंसी द्वारा आवेदन पत्र प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर विदेश व्यापार महानिदेशालय को सूचित करेगा । विदेश व्यापार महानिदेशालय बी आई एफ आर/प्रचालन एजेंसी/राज्य सरकार का पुर्नवास विभाग से सूचना/नोटिस प्राप्त होने पर ऐसी फर्म द्वारा प्राप्त ई पी सी जी लाइसेंस पर लगाए गए निर्यात दायित्व को पूरा करने में चूक हो जाने की स्थिति में सरकार के हितों की सुरक्षा के लिए संबंधित एजेंसी के साथ इस मामले को उठाएगी ।

विदेश व्यापार महानिदेशालय ऐसे आवेदन पत्रों पर 12 वर्षों तक निर्यात दायित्व की अवधि में विस्तार की मंजूरी के लिए विचार कर सकता है अथवा इसके गुणों के आधार पर, आप्रेटिंग एजेंसी द्वारा तैयार पुर्नवास पैकेज और बी आई एफ आर बोर्ड/राज्य प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित के अनुसार विचार कर सकता है ।

7. “ई पी सी जी लाइसेंसों की क्लविंग” से संबंधित एक नया पैरा 5.18 जोड़ा जाता है :-

5.18 इसके साथ दिए गए प्रावधानों के अनुसार एक ही लाइसेंसधारक के दो या अधिक ई पी सी जी लाइसेंसों को क्लब करने की अनुमति होगी । इस पैरे के उप पैरे में उल्लिखित समाप्ति की तारीख, ई पी सी जी लाइसेंस के निर्यात दायित्व की अवधि के सन्दर्भ में होगी ।

5.18.1 आयात और निर्यात की जबावदेही, क्लब किए जाने वाले ई पी सी जी लाइसेंसों में उल्लिखित मदों तक सीमित होगी ।

5.18.2 क्लब करने के लिए आवेदन केवल उस क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जा सकता है, जिसके क्षेत्राधिकार में परिशिष्ट-9-ग में लाइसेंस जारी किया गया है । यदि लाइसेंस किसी अन्य क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्रधिकारियों द्वारा जारी किया गया है तो क्लब करने की अनुमति नहीं दी जाएगी । संबंधित क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी क्लब करने के अनुरोध पर निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर विचार कर सकता है :-

- (क) ई पी सी जी लाइसेंस उसी लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान जारी किए गए हैं ।
- (ख) ई पी सी जी लाइसेंस उसी सीमाशुल्क अधिसूचना के तहत जारी किए गए हैं ।
- (ग) ई पी सी जी लाइसेंस उन्हीं उत्पाद (उत्पादों) अथवा उन्हीं सेवाओं के निर्यात के लिए लिए गए हों ।

5.18.3 इस तरह क्लब किए गए लाइसेंसों के लिए कुल निर्यात दायित्व का पुनःनिर्धारण, क्लब किए गए लाइसेंसों द्वारा बचाए गए कुल शुल्क अथवा अयात के कुल लागत बीमा भाड़ा मूल्य, जैसा भी मामला हो, के आधार पर किया जाएगा । क्लब किए गए लाइसेंस के निर्यात दायित्व की अवधि अलग-अलग लाइसेंसों के निर्यात दायित्व की अवधि समान ही होगी । दोनों लाइसेंसों के निर्यात दायित्व की अवधियों में विसंगति के मामले में, क्लब करने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

5.18.4 क्लब करने पर इन लाइसेंसों को सभी प्रयोजनों के लिए उक्त सीमाशुल्क अधिसूचना के तहत जारी एक एकल ई पी सी जी लाइसेंस जाना जाएगा और क्लब किए गए लाइसेंस की निर्यात दायित्व अवधि पहले जारी किए गए लाइसेंस की तारीख को ही माना जाएगा ।

5.18.5 क्लब किए गए लाइसेंस के लिए औसत निर्यात दायित्व क्लब करने से पूर्व अलग-अलग लाइसेंसों की तरह ही औसत निर्यात दायित्व के समान बरकरार रखना होगा ।

5.18.6 समाप्त ई पी सी जी लाइसेंसों के मामले में क्लबिंग की अनुमति नहीं होगी । यदि किसी ई पी सी जी लाइसेंस के लिए विशिष्ट (सामान्य विस्तार के मध्ये) निर्यात दायित्व विस्तार पहले से दिया जा चुका है, तो उस लाइसेंस को क्लब करने पर विचार नहीं किया जाएगा ।

5.18.7 क्लब किए गए ई पी सी जी लाइसेंसों की निर्यात दायित्व की अवधि में बढ़ोतरी नहीं की जाएगी, चूंकि क्लबिंग मूलतः लाइसेंसों की मूल निर्यात दायित्व अवधि के भीतर किए गए निर्यात के आधार पर अलग-अलग लाइसेंसों को निष्क्रीत करने/विनियमित करने के लिए की जाती है ।

8. “ई पी सी जी लाइसेंसों को क्लब करने के लिए आवेदन” से संबंधित एक नया परिशिष्ट 9ग इस सार्वजनिक सूचना के साथ जोड़ा गया है ।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है ।

एल. मानसिंह, महानिदेशक, विदेश व्यापार

परिशिष्ट - 9 ग

ई पी सी जी स्कीम के तहत लाइसेंसों को क्लब करने के लिए आवेदन प्रपत्र

टिप्पणी : 1. कृपया इस प्रक्रिया पुस्तक का पैराग्राफ 5.18 देखें ।

कार्यालय उपयोग हेतु

फाइल संख्या दिनांक

1. आवेदक का नाम और पता मैसर्स
.....

2. आयातक निर्यातक कोड संख्या
.....

3. क्लबिंग के लिए प्रस्तुत किए गए ई पी सी जी लाइसेंसों का व्यौरा :

क्रम सं.	ई पी सी जी लाइसेंस सं.	जारी करने की तारीख	निर्यात उत्पाद (उत्पादों)	आयात के लिए आवेदित पूँजीगत माल	पंजीकरण का पत्तन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

अनुमत लागत बीमा भाड़ा मूल्य	किए गए आयातों का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	बचाया गया सीमा शुल्क	निर्धारित निर्यात दायित्व (अमरीकी डालर में)	वास्तव में किए गए निर्यात (अमरीकी डालर में)
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
		कुल :	कुल :	

4 : क्लब किए गए लाइसेंस का व्यौरा:

10. (i) आयातों/मान्य आयातों पर बचाया गया कुल शुल्क अथवा लागत बीमा भाड़ा मूल्य (उपर्युक्त तालिका में कालम 7 या 8 के अनुसार) : (विदेशी मुद्रा में).....
 : (रूपयों में).....

(ii) कुल निर्यात दायित्व (उपर्युक्त तालिका में कालम 9 के अनुसार) : (विदेशी मुद्रा में).....
 : (रूपयों में).....

घोषणा/वचनबद्धता

मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठा से वचन देता हूँ/देते हैं/घोषणा करता हूँ/करते हैं कि :-

1. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि क्लबिंग के लिए इस आवेदन पत्र में दिया गया विवरण मेरी/हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है तथा इसमें किसी तथ्य को छुपाया नहीं गया है ।
2. मैं/हम पूर्णतः समझता हूँ/समझते हैं कि आवेदन में प्रस्तुत किए गए विवरण को यदि गलत अथवा झूठा पाया जाएगा तो मैं/हम कानून के अंतर्गत निर्धारित अथवा प्राधिकृत की गई किसी भी दंडात्मक कार्रवाई के लिए जिम्मेवार होंगे ।
3. मैं/हम आगे घोषणा करता हूँ/करते हैं कि क्लबिंग पंजीकरण के उसी पत्तन और उसी सीमाशुल्क अधिसूचना के तहत जारी, उसी निर्यात उत्पाद (उत्पादों) या सेवाओं के लिए, उसी लाइसेंसिंग वर्ष में जारी किए गए ई पी सी जी लाइसेंसों के लिए माँगी जा रही है।
4. मैं/हम विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 के उपबंधों तथा उसके तहत बने नियमों एवं आदेशों, निर्यात और नीति तथा प्रक्रिया पुस्तक का पालन करने का वचन देता हूँ/देते हैं ।
5. कि निर्धारित निर्यात दायित्व अवधि अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा बाद में बढ़ाई गई अवधि के भीतर यथानिर्धारित निर्यात दायित्व को पूरा करने में असफल रहने की स्थिति में, मेरे/हमारे विरुद्ध नीति/प्रक्रिया/विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 तथा उसके तहत बने नियमों और आदेशों और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अनुसार सीमाशुल्क को दी गई बैंक गारंटी या किसी अन्य बौँड/गारण्टी को जब्त करने के अतिरिक्त दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी ।
6. मैं, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि मैं नीति के पैरा 9.9 के अनुसार इस घोषणा को सत्यापित और हस्ताक्षरित करने के लिए प्राधिकृत हूँ ।

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

कार्यालय का पता

.....

.....

स्थान:.....

तारीख:.....

आवासीय पता

.....

ई.मेल पता

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 28th January, 2004

No. 42/(RE-2003)/2002—2007

F. No. 01/94/180/Public Notice/AM 04/PC-IV.—In exercise of powers conferred under Paragraph 2.4 of the Export and Import Policy 2002—2007, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in Handbook of Procedures (Vol. I) :

1. Paragraphs 5.3, 5.3.1 & 5.3.2 pertaining to the “Consideration of EPCG applications” are amended as under.

5.3: The applicant may apply for EPCG licence wherein duty saved amount is Rs. 50 crores, to the Regional Licensing Authority along with a certificate from the independent chartered engineer on the Performa annexed to appendix 9 certifying the end use of capital goods sought for import for its use at pre production, production or post production stage for the product undertaken for export obligation.

For the cases wherein duty saved amount is above Rs. 50 crores, the applicant may apply to DGFT Headquarters directly with a copy endorsed to the concerned RLA. In such cases, based on the recommendations of Headquarters EPCG Committee/ approval of competent authority the concerned RLAs will issue the EPCG licence accordingly.

5.3.1: The Licensing Authority, after issue of EPCG licence on the basis of certificate from the Independent Chartered Engineer (CEC) furnished by applicant shall forward a copy of licence along with copy of CEC to concerned Jurisdictional Central Excise Authority.

5.3.2 The licence holder (whether registered with Central Excise Authority or not) shall produce to the concerned licensing authority a certificate from the jurisdictional Central Excise authority confirming installation of capital goods at the factory of the licence holder or his supporting manufacture(s)/vendor(s) within six months from the date of completion of imports.

2. A new para 5.3.4 subtitled “Import of Spares including Refractories, Catalysts & Consumables” is added as under:

5.3.4 (i): The applicant may also apply for import of spares including refractories, catalyst and consumables under the EPCG Scheme . The application may contain list of plant/ machinery installed in the factory of applicant for which spares are required, duly certified by Jurisdictional Central Excise authorities irrespective of the fact whether the firm is registered with Central Excise or not.

In such cases EPCG licence shall not specify the list of spares but shall indicate:-

- (a) Name of plant/machinery for which spares are required.
- (b) Value of duty saved allowed under the licence.
- (c) Description of product to be exported with value of export obligation as per the Policy.

(ii) The licensing authority, after issue of EPCG licence for spare shall forward a copy of licence to concerned Jurisdictional Central Excise Authority.

(iii) In case of import of spares for capital goods, the licence holder (whether registered with Central Excise Authority or not) shall produce the licensing authority a certificate by the jurisdictional central excise authorities confirming the inventory of spares taken in the records of the licence holder within one month of the date of completion of each import. Further at the time of final redemption of export obligation licence holder shall submit certificate from the Independent Chartered Engineer confirming the use of spares so imported in the installed capital goods on the basis of stock & consumption register maintained by licence holder.

3. At the end of paragraph 5.7.3, the following sentence is added:-

“Payment received in rupee terms for the port handling services provided by the service provider in terms of paragraph 9.47 (iv) of the Exim Policy shall also be counted for export obligation discharge under the Scheme.”

4. After para 5.7.6, new para 5.7.7 be added as under:-

5.7.7: The Export Obligation shall be fulfilled by the export of product(s)/ services originally specified in the EPCG licence which are capable of being manufactured/ produced by the use of the capital goods imported under the licence. In case, the licensee is unable to fulfill the export obligation by the products/ services mentioned above, he shall apply to the concerned licensing authority any time during the validity period (including the extended period) of export obligation giving reasons (supported by documentary evidence, if any,) for their inability to fulfill the export obligation by the products/ services originally specified in the licence along with the details of the alternate product(s) manufactured/services provided by the same firm /company or group company and intended to be exported along with documents evidencing manufacturing of such product/ service being provided by the same firm/ company or group company. He shall also furnish the details of average exports of the past three years for the alternate products/ services intended to be exported duly certified by Chartered Accountant. The licensing authority shall thereafter re-fix the average export obligation by taking into account the average exports of alternate products/ services made during the preceding three licensing years with reference to the year in which such re-fixation has been done and shall also endorse the licence for Product(s)/ services(s) to fulfill the balance export obligation. The re-fixed average export obligation shall be applicable from the financial year during which it has been done.

Notwithstanding the above, the original average Export obligation shall not be required for the remaining period provided the licensee does not want to export the original products/services in the remaining export obligation period.

The licensee can also opt for the re-fixation of the balance export obligation based on 8 times of the duty saved amount for the CIF value in proportion to the balance Export obligation under the scheme.

The aforesaid facilities shall be available for exports made on or after the date of application received for endorsement of alternate items and/ or the re-fixed export obligation subject to endorsement made on the licence subsequently irrespective of the date of issuance of licence, provided the export obligation period including extended export obligation period is valid.

5. Paragraph 5.9 pertaining to “Monitoring of Export Obligation” stands deleted since the same has been transferred to the amended para 5.3.2.
6. After para 5.11 pertaining to the “Extension of export obligation period” a new para 5.11.1 shall be added as under:-

5.11.1: The firm/company or group company registered within the original/extended E.O. period with the BIFR or state rehabilitation Scheme for SSI unit as a sick unit or any firm/company acquiring a unit, which is under BIFR may apply for extension in export obligation period for fulfillment of export obligation to Director General of Foreign Trade.

The firm/company, which is applying for registration with BIFR/ Rehabilitation Department of State Government shall also intimate DGFT with regard to relief sought for EPCG licence, if any, within 30 days of receipt of the application by agency concerned. The DGFT, on receipt of intimation/notice received from the BIFR/operating agency/ Rehabilitation Department of State Government shall take up the matter with the agency concerned to safeguard government interest on account of default in fulfillment of export obligation imposed on EPCG licence obtained by such firm.

DGFT may consider such application for grant of extension in the period of export obligation upto 12 years or as per the rehabilitation package prepared by operating agency and approved by BIFR broad/state authority, on its merit.

7. A new para 5.18 pertaining to the “Clubbing of EPCG licences” is added as under:

5.18: The clubbing of two or more EPCG licences of the same licence holder would be permitted as per the provisions given herewith. The expiry period mentioned in the subparas of this para would be with reference to the export obligation period of the EPCG licence.

5.18.1: The accountability of imports and exports shall be restricted to the items mentioned in the EPCG licences to be clubbed.

5.18.2: An application for clubbing can be made only to the regional licensing authority under whose jurisdiction the licence is issued in Appendix 9-C Clubbing shall not be permitted in case the licences are issued by different RLA's. The concerned RLA would consider the request for clubbing only on the fulfillment of the following conditions:

- (a) The EPCG licences have been issued during the same licencing year,
- (b) the EPCG licences have been issued under the same Customs Notification,
- (c) the EPCG licences must be for the export of the same product(s) or same services .

5.18.3: The total export obligation for the licences so clubbed would be refixed taking into account the total duty saved or total CIF value of imports as the case may be of the clubbed licences. The export obligation period of the clubbed licence would be the same as the export obligation period of the individual licences. In case of any discrepancy in the export obligation periods of the two licences, clubbing would not be permitted.

5.18.4: On clubbing, the licences for all purposes shall be deemed to be a single EPCG licence issued under the said Customs Notification and the export obligation period for the clubbed licence shall be reckoned from the date of issuance of the first licence.

5.18.5: The average export obligation to be maintained for the clubbed licence would be the same average export obligation as was the case with the individual licences prior to clubbing.

5.18.6: No clubbing would be permitted in the case of expired EPCG licences. In case any specific (as against general extensions) export obligation extension has been given for any EPCG licence, the same licence cannot be considered for clubbing .

5.18.7: No export obligation extension would be granted to the clubbed EPCG licence since the clubbing is primarily meant for the redemption/ regularisation of the individual licences on the basis of exports made within the original export obligation period of the licences.

8. A new Appendix 9 C pertaining to “Application Form for clubbing of licences under the EPCG scheme” is appended to this Public Notice.

This issues in Public Interest.

L. MANSINGH, Director General of Foreign Trade

APPENDIX-9 C**APPLICATION FORM FOR CLUBBING OF LICENCES UNDER THE EPCG SCHEME**

Note: 1. Please see paragraph 5.18 of this Handbook.

FOR OFFICIAL USE

File No. Date.

1. Name and address of the applicant : M/s.

2. IEC Number :

3. Details of EPCG licences presented for clubbing:

S. No	EPCG Licence No	Date of Issue	Export Product(s)	Capital Goods applied for import	Port of Regd
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)

CIF Value permitted	CIF value of imports made	Customs Duty Saved	Export obligation fixed (in US \$)	Exports actually made (In US \$)
(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
		Total:	Total:	

4: Details of clubbed licence

10. (i) Total Duty saved or CIF value on the imports/ deemed imports (as per column 7 or 8 in the table above) : (In FFC) (In Rupees)

(ii) Total Export obligation (as per column 9 in table above) : (In FFC) (In Rupees)

DECLARATION/UNDERTAKING

I/We hereby solemnly undertake/declare that:-

- (i) I/We hereby declare that the particulars and the statements made in this application for clubbing are true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed or held therefrom.
- (ii) I/We full understand that any information furnished in the application if proved incorrect or false will render me/us liable for any penal action or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.
- (iii) I/We further declare that the clubbing is being sought for EPCG licences issued in the same licencing year, having the same export product(s) or services, issued under the same Customs Notification and having the same port of registration.
- (iv) I/We undertake to abide by the provisions of the foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992, the Rules and Orders framed thereunder, the Export and Import Policy and the Handbook of Procedures.
- (v) That I/We shall be liable to penal action in accordance with the Policy/Procedure/Foreign Trade (Development & Regulation) Act, 1992 the Rules and Orders framed thereunder and the Customs Act, 1962 addition to forfeiture of Bank Guarantee or any other Bond/Guarantee given to the Customs/licensing authority, in the event of failure to fulfill the export obligation as stipulated, within the export obligation period prescribed or subsequently extended by the competent authority.
- (vi) I hereby certify that I am authorised to verify and sign this declaration as per paragraph 9.9 of the policy.

Signature of the Applicant:

Name:

Designation:

Official Address:

Place : _____
Date : _____

Residential Address :

E-mail address:

304 GI/04-4